नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

अनुत्पादक खर्चों में कटौती का समय

दुनिया में जिस तरह से टैक्स वार छिड़ा हुआ है, उसको देखते हुए फिच रेटिंग्स ने भारत की वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया है. एजेंसी ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 10 आधार अंक घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया. हालांकि, अगले वित्त वर्ष के लिए एजेंसी ने अपने अनुमानों को बरकरार रखा है. जाहिर है केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि इस समय अनुत्पादक खर्चों में कटौती की जाए. दरअसल यह समय कठोर वित्तीय अनुशासन का है . कुल मिलाकर समय की नाजुकता को देखते हुए अनावश्यक खर्च कम करना ही होंगे. इसका कारण स्पष्ट है कि अमेरिकी व्यापार नीति के बारे में पूरे विश्वास के साथ भविष्यवाणी करना कठिन है.दरअसल, नीतिगत अनिश्चितता के कारण व्यापार निवेश की संभावनाएं प्रभावित हो रही हैं, इक्विटी कीमतों में गिरावट से घरेलू संपत्ति में कमी आ रही है, तथा अमेरिकी निर्यातकों पर जवाबी कार्रवाई का असर पड़ेगा. यह ध्यान रहे फिच रेटिंग्स दरअसल,एक अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी है जो निवेशों की क्रेडिट योग्यता का मूल्यांकन करती है. यह मूडीज और स्टैंडर्ड एंड पूअर्स के साथ बिग थ्री क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों में से एक है, और इसके रेटिंग का उपयोग निवेशकों और अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण और डिफ़ॉल्ट जोखिम का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है. फिच ने अपने मार्च जीईओ से 2025 में विश्व विकास अनुमानों में 0.4 प्रतिशत अंकों की कटौती की तथा चीन और अमेरिका की वृद्धि में 0.5 प्रतिशत अंकों की कटौती की.

इसमें कहा गया है, वैश्विक व्यापार युद्ध में हाल ही में हुई तीव्र वृद्धि के जवाब में फिच रेटिंग्स के विश्व विकास के पूर्वानुमानों को तेजी से कम कर दिया गया है. इस वर्ष विश्व विकास दर 2 प्रतिशत से नीचे आने का अनुमान है; महामारी को छोड़कर, यह 2009 के बाद से सबसे कमजोर वैश्विक विकास दर होगी. संस्था की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर 2025 तक 1.2 प्रतिशत पर सकारात्मक रहने की उम्मीद है. बहरहाल, यह ठीक है कि भारत के लिए यह टैक्स युद्ध अन्य देशों की तुलना में अपेक्षाकृत कम नुकसानकारी है, लेकिन अभी हमें पता नहीं है कि यह कथित टैक्स युद्ध कब तक चलेगा. ऐसे में समझदारी इसी में ही है कि हम अपने खर्चों में कटौती करके चलें. दरअसल केंद्र और राज्य सरकार को तो ऐसा करना ही चाहिए लेकिन आम जनता को भी फालतू खर्चों पर रोक लगाकर बचत की आदत डालनी चाहिए. जिससे अर्थव्यवस्था स्थिर रहे. वैसे नीति आयोग ने देश की अर्थव्यवस्था की बहुत आशावादी तस्वीर प्रस्तुत की है.

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अगले तीन साल में जर्मनी व जापान से बड़ी हो जाएगी. नीति आयोग के अनुसार अर्थव्यवस्था 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है.

भारत दुनिया के लिए शिक्षा का केंद्र बन सकता है, क्योंकि अन्य सभी चीजों को अलग रखते हुए हमारे देश का सबसे बड़ा लाभ इसका लोकतंत्र है. उन्होंने कहा, फिलहाल भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. अगले साल के अंत तक हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे. उसके बाद के वर्ष में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे .यह उम्मीद जताने वाले संकेत हैं लेकिन इसके बावजूद समाज और सरकारों के स्तर पर यह प्रयास जोर शोर से होने चाहिए कि हम अर्थ व्यवस्था की बेहतरी के लिए अनावश्यक खर्चों से कैसे बचें .

सामाजिक परिवर्तन की रेडियो तरंगें

डॉ. बृजेन्द्र सिंह पंवार/निकिता जोशी

हैशटैग, जीआईएफ और रील्स की इस डिजिटल दुनिया में, संचार विभिन्न माध्यमों तक फैल गया है. आज भारत का एक बड़ा हिस्सा, इंटरनेट और इसके द्वारा संभव त्वरित संचार के बिना विश्व की कल्पना भी नहीं कर सकता. फिर भी यह सोचना गलत होगा कि प्रभावी संचार एकतरफ़ा माध्यम तक ही सीमित है. लक्षित दर्शकों और उनके सांस्कृतिक संदर्भों का अध्ययन करने से विभिन्न संचार माध्यमों का पता लगाने में मदद मिलती है, जिन्हें व्यक्तियों और समुदायों द्वारा अपनी परिस्थितियों के अनुरूप शुरू किया गया और अपनाया गया है. सामुदायिक रेडियो एक ऐसा रचनात्मक माध्यम है जो आज देश के विभिन्न भागों में फल.फूल रहा हैए जिसमें शैक्षणिक संस्थान और ग्रामीण क्षेत्र भी शामिल हैं. रेडियो सेट सबसे किफायती है और इसका स्वामित्व और संचालन प्राय: आर्थिक रूप से सबसे निचले स्तर वाले व्यक्ति के पास भी होता है. इस संचार माध्यम के मूल में समुदाय के नेतृत्व वाले स्वामित्व और जमीनी स्तर पर अभिव्यक्ति के मूल्य निहित हैं.

यह एक ऐसा मंच है जो समुदायों को अपनी भाषा में खुद को अभिव्यक्त करने और उन मुद्दों पर चर्चा करने की अनुमति देता है जो उनके अस्तित्व के मूल में हैं. इस प्रकार के माध्यम न केवल साझेदारियां बनाते हैं, संचार और प्रबंधन कौशल

विकसित करते हैं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक भी बनते हैं. इसलिए सरकारें इन स्थानीय संचार प्रयासों को मान्यता देने और प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो मजबूत समुदायों के निर्माण में भी मदद करते हैं.

सामुदायिक रेडियो सही मायने में विश्व दृश्य-श्रव्य और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स), 2025 में रेडियो वेव्स बनाने के लिए तैयार है, जिसका आयोजन 1 से 4 मई, 2025 तक मुंबई में किया जाएगा. वेव्स का आयोजन भारत के मीडिया और मनोरंजन उद्योग को वैश्विक बाजारों से जोड़ने, विकास, सहयोग और नवाचारों को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के साथ किया जा रहा है. वेव्स का मुख्य उद्देश्य उद्योग विकास को गति देना, नवाचार को बढ़ावा देना, युवा प्रतिभा को सशक्त बनाना और सांस्कृतिक आदान.प्रदान को प्रोत्साहन देना है. सामुदायिक रेडियो का पंजीकृत व निर्वाचित संगठन, भारतीय सामुदायिक रेडियो संघ (सीआर,आई), भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से, भारत में सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के विकास को प्रोत्साहित करने और जागरुकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए वेव्स में कई पहलों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है.

सामुदायिक रेडियो सामग्री चुनौती 32 क्रिएट इन इंडिया चैलेंज में से एक है. इस पहल के तहत 32 चुनौतियों में से प्रत्येक को कौशल का परीक्षण करने और युवाओं को एनीमेशन, गेमिंग, ईस्पोर्ट्स, कॉमिक्स, फिल्म निर्माण आदि जैसे विविध क्षेत्रों में एक प्रतिष्ठित मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रेरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है! सामुदायिक रेडियो सामग्री चुनौती का उद्देश्य, सामुदायिक रेडियो स्टेशनों द्वारा प्रसारित विविध कौशल और विशिष्ट आवाजों को उजागर करना तथा उन्हें नए प्रारूपों, शैलियों और कहानी कहने की तकनीकों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है. इससे सामुदायिक रेडियो के लिए ज्ञान साझा करने, एक.दूसरे से सीखने और संपर्क बनाने के अवसर सृजित होने की उम्मीद है. यह चैलेंज उन कार्यक्रमों को मान्यता देगा और पुरस्कृत करेगा जो अपने समुदायों में वास्तविक बदलाव लाते हैं. इस चुनौती के लिए प्रविष्टियां पांच श्रेणियों से मांगी गई हैं.सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा, शिक्षा और साक्षरता, महिला और बाल विकासध्सामाजिक न्याय, कृषि और ग्रामीण विकास तथा सांस्कृतिक संरक्षण. प्रतिष्ठित मीडिया हस्तियों और सीआरएआई के प्रतिनिधियों सहित विशेषज्ञों का एक पैनल इन प्रविष्टियों का मूल्यांकन करेगा, प्रतिभागियों की सूची बनाएगा.

महाकौशल की डायरी

जल के लिए नागरिक 'चातक' अफसर पी रहे मिनरल वाटर...!

अविनाश दीक्षित

मार्तंड जैसे- जैसे प्रचंडता दिखा रहे हैं वैसे- वैसे महाकौशल के जिलों में गहराता जल संकट पेयजल परियोजनाओं की हकीकत भी उजागर करता जा रहा है. सिवनी, डिंडोरी, दमोह, कटनी सहित अन्य जिलों में आलम यह है कि पेयजल के लिए लोगों को मीलों का सफर तय करना पड़ रहा है. दूसरी तरफ महानगर बनने की ओर अग्रसर जबलपुर में लगभग डेढ़ दर्जन ऐसे इलाके हैं जहां पानी पहुंचता तो है लेकिन नालियों से गुजर रही जीर्ण-शीर्ण पाइप लाइनों के जरिए. आश्चर्यजनक पहलू यह है की सघन शहरी क्षेत्र में यह वर्षों से हो रहा है. सुराख़ युक्त पाइप लाइनों के माध्यम से लाखों लोगों तक नालियों का दूषित पानी पहुंच रहा है जिसे पीने के बाद लोग बीमार हो रहे हैं और अस्पतालों के चक्कर काटने के लिए विवश हो रहे हैं. बात केवल शहरी क्षेत्र की ही नहीं है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और बदतर है. जबलपुर के बरगी डैम के आसपास के अनेक ग्रामीण क्षेत्र कुओं और नलकूपों पर निर्भर हैं. सिवनी में एशिया के सबसे बड़े मिट्टी के भीमगढ़ बांध की स्थिति और भी विकराल है. इस बाँध पर न केवल सिवनी के शहरी क्षेत्र वरन ग्रामीण क्षेत्र का जनजीवन निर्भर था, किंतु वर्तमान समय में भीमगढ़ बांध सूखा मैदान बनकर रह गया है. डिंडोरी, कटनी और उमरिया जिले में पाइपलाइन बिछाने का काम वर्षों से चल रहा है लेकिन यह कार्य पूरा कब होगा और कब लोगों के घरों तक पानी पहुंच सकेगा ? यह सवाल आज भी लोग पूछ रहे हैं. पाइपलाइन की निम्न गुणवत्ता और पाइपलाइन बिछाने में लगे ठेकेदारों की मनमानी और अधिकारियों की अनदेखी को लेकर नागरिक अनेक मर्तबा धरना प्रदर्शन कर चुके हैं लेकिन हालातो में कोई बदलाव होता नजर नहीं दिख रहा है. अनेक स्थान तो ऐसे हैं जहां पाइपलाइन बिछाने का काम अधूरा पड़ा है मगर ठेकेदार पूरा भुगतान लेकर रफू चक्कर हो गए हैं. कहने का आशय यह है कि जल उपलब्ध करने के लिए करोड़ों रुपए बहा तो दिए किंतु जल के लिए नागरिक चातक ही बने हुए हैं और अफसर मिनरल वाटर से अपनी प्यास बुझा रहे हैं..... !!

बिजली सरप्लस फिर भी म.प्र. में सबसे महंगी...

स्मार्ट मीटर की स्मार्टनेस से बढ़े बिजली बिल और नए टैरिफ ने आम विद्युत उपभोक्ताओं का सिर दर्द बढ़ा दिया है, जबकि बिजली कंपनियां चैन की वंशी बजाने में लगी हैं. विद्युत मामलों के जानकारों के अनुसार घरेलू उपभोक्ताओं से पहले प्रति यूनिट 6.61 रूपये लिए जाते थे परंतु नए टैरिफ में 18 पैसे की वृद्धि कर 6.79 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिल वसूली होगी. इसके अलावा बिजली कंपनी उपभोक्ताओं को जमा सुरक्षा निधि पर पहले 6.75 प्रतिशत ब्याज देती थी, जिसे घटाकर 6.50 फ़ीसदी कर दिया गया है. बिजली कंपनी प्रबंधन की ओर से नियामक आयोग के समक्ष सुरक्षा निधि पर ब्याज घटाने के लिए आरबीआई की ब्याज दरों का हवाला दिया गया लेकिन जब टैरिफ बढ़ाने की बात आई तो इस विषय पर कोई तर्क या नियम नहीं सुना गया और नियामक आयोग ने भी संज्ञान नहीं लिया. बिजली कंपनियों की प्रताड़ना का दूसरा पहलू यह है कि मध्य प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को लगभग 7 रूपए प्रति यूनिट के दर से बिजली दी जा रही है मगर दूसरे राज्यों को यही बिजली सरप्लस बता कर 4 रुपए 31 पैसे प्रति यूनिट में दी जा रही है, जबकि अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में तय घंटे तक बिजली सप्लाई नहीं हो रही है, वहीं शहरी क्षेत्रों में भी अघोषित कटौती चालू है.

फर्जी शिक्षक घोटाले का जिम्मेदार कौन

महाराष्ट्र में मिलीभगत से किए गए फर्जी शिक्षक घोटाले में 4 वर्षों के दौरान 100 से 200 करोड़ रुपए तक की रकम वेतन के नाम से निकाली गई. शिक्षकों को वेतन देने के लिए राज्य सरकार ने नवंबर 2012 से शालार्थ प्रणाली शुरू की. इसमें पहले स्कूलों को रजिस्ट्रेशन करवाना होता है फिर जिन शिक्षकों व कर्मचारियों की नियुक्ति की गई उनका अलग से शालार्थ आईडी तैयार किया जाता है. इसमें दर्ज नाम, जन्मतारीख, शैक्षणिक योग्यता, पद, स्कूल का नाम, नियुक्ति की तारीख, प्रशिक्षण, पदोन्नति का विवरण देनेवाली सेवा पुस्तिका में भी उल्लेख होता है. यह जानकारी बाद में वेतनवृद्धि, तबादले व सेवानिवृत्ति में भी उपयोगी होती है. शालार्थ आईडी बनाने का अधिकार शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को होता है. इसमें दी गई जानकारी के आधार पर प्रतिमाह वेतनपत्रक तैयार किया जाता है. अनुपस्थिति, छुट्टी आदि का विचार कर अंतिम वेतन निश्चित किया जाता है. यही विवरण एकात्मिक वित्तीय व्यवस्थापन प्रणाली (आईएफएमएस) को भेजा जाता है. इस प्रणाली से वेतन मंजूर होकर शिक्षक के बैंक खाते में जमा होता है. इस व्यवस्था के बावजूद घोटालेबाजों ने अपना चक्कर चला ही दिया. 2019 से 580 शिक्षकों के फर्जी शालार्थ आईडी बनाकर 4 वर्षों में 100 से 200 करोड़ रुपए सरकारी खजाने से निकाले गए. इन फर्जी नामों पर वेतन जमा होने पर संस्था संचालक और शिक्षा विभाग के अधिकारी आपस में रकम की बंदरबांट कर लेते थे. कुछ शिक्षकों की नियुक्ति 3 से 5 वर्ष पहले की दिखाकर उतने वर्ष की बकाया रकम (एरियर्स) संस्था संचालक, अधीक्षक और उपसंचालक मिलकर हड़प कर लेते थे. इस संबंध में शिकायत आने पर विभागीय शिक्षा मंडल के अध्यक्ष चिंतामण वंजारी की अध्यक्षता में एक सदस्यीय समिति गठित की गई जिसने अपनी रिपोर्ट 12 फरवरी 2024 को शिक्षा आयुक्त को दी.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

चाहे दिल्ली हो या देहरादून भरपूर आएगा मानसून

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, मौसम वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की है कि इस बार मानसून सामान्य से यादा या भरपूर आनेवाला है और पूरी तबीयत से भरपूर बारिश होगी. किसानों के लिए यह खुशखबर है क्योंकि अछी वर्षा से फसल भी बढ़िया होगी. पशु चारे की कमी नहीं रहेगी. जलसंकट दूर होगा. उपभोग बढ़ेगा. वर्षा को बुलाने के लिए मेघमल्हार गाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी.

हमने कहा, अप्रैल महीने में पानी-बारिश की भविष्यवाणी क्यों की जा रही है? मानसून का मौसम जून में शुरू होता है. वह कभी अंदमान-निकोबार में आता है तो कभी केरल के समुद्री तट पर दस्तक देता है. इसके 3-4 दिन बाद मानसून मुंबई आ धमकता है. मुंबई की बारिश जिसने पहले नहीं देखी है, वह हैरान-परेशान हो जाता है. सड़कों और रेलपटरियों पर पानी भर जाता है. गड्ढा-गटर कहीं दिखाई नहीं देते. मानसून ने तूफानी तेवर दिखाए तो आफिस से लोग घर नहीं पहुंच पाते क्योंकि यातायात ठप हो जाता है. मुंबई में पुरानी चॉल और मकान मानसून की मार

नहीं सह पाते और ढह जाते हैं. शहर जलमग्न हो जाता है. समुद्र में लहरें भी जमकर उछलने लगती हैं.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, मुंबई की बारिश देखने के लिए अरब देशों के लोग आकर होटलों में ठहरते हैं क्योंकि उनके मुल्क में पानी नहीं बरसता. मुंबई के लोगों को मानसून के तेवरों की आदत पड़ गई है. हर साल वही नजारा रहता है. जलजमाव के लिए लोग नगरनिगम व अधिकारियों को दोषी ठहराते हैं.

हमने कहा, अच्छी मानसूनी बारिश के पूर्वानुमान से सरकार खुश होगी. फसल भरपूर हुई तो महंगाई पर अंकुश लगेगा. बारिश का मजा लेने लोग महाबलेश्वर या माथेरान जाएंगे. बच्चे पानी में भीगेंगे और बड़े लोग जगजीतसिंह की गजल सुनेंगे- वो कागज की कश्ती, वो बारिश का पानी. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, अनुमान कितने भी सटीक हों लेकिन कभी-कभी मानसून आवारा होकर भटक जाता और अपनी दिशा बदल लेता है. तब वैज्ञानिक बताते हैं कि यह अल नीनो की वजह से हुआ. वह समय गया जब लोग भारी वर्षा से खुश होकर चिल्लाते थे- बरसों राम धड़ाके से, बुढ़िया मर गई फाके से ! जब तक मानसून नहीं आता तब तक आप उन रोमांटिक फिल्मों को देखिए जिनमें डायरेक्टर हीरोइन को बारिश में तरबतर कर देता है.

शब्द-सागरः डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11876 -डॉ. सागर खादीवाला

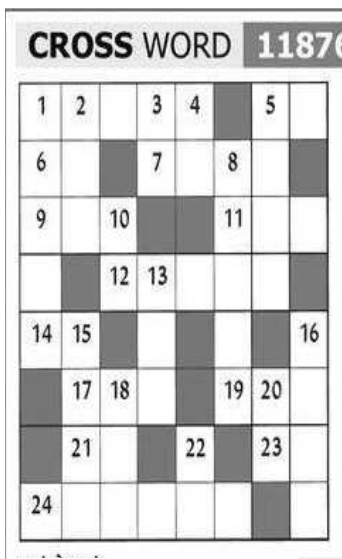

ऊपर से नीचे
1. जो स्वाभाविक न हो, बनावटी 2. चेहरा, मुख, अग्रभाग (सं.) 3. किसी शब्द का बार-बार उच्चारण करना 4. नासिका 5. असि, खंग, धारदार लंबा हथियार. 8. जिसमें सार या तत्व हो, तत्वपूर्ण 10. प्याला 13. पाचन क्रिया या शक्ति 15. केसर 16. कोई कार्य परिपूर्ण करने के लिए निर्धारित समय. (सं.) 18. रहने की क्रिया या भाव, आचार व्यवहार. 20. शक्ति, सामर्थ्य 22. दरिद्र, विनीत, मजहब

बाएं से दाएं
1. अवतार लेना, प्रकट होना 5. सचाई, यथार्थता, कोई ऐसी बात जो किसी विशेष अवस्था में वस्तुत: हुई हो. 6. जायका, खाने-पीने से मुंह या जीभ को होने वाला अनुभव. 7. वह स्थान जहां सिक्के बनाए और ढाले जाते हैं. 9. बहन का लड़का 11. प्रस्थित 12. बहुत बड़ा समुद्र 14. मौत, मृत्यु 17. ढांचा, कागज का वह पूरा ताव, जो एक बार मशीन पर छपता है 19. ताल देने का एक चमड़ा मढ़ा प्रसिद्ध बाजा. 21. मार्ग, रास्ता 23. श्रीरामचंद्रजी के पुत्रों में से एक का नाम 24. तुरंत, फौरन

Solution 11875

म	र्म		अं	त	र	त	म
धु		म	द	र	सा		श
सू	ति		र	स	ना		हू
द	ल	ना				उ	र
न	ह	र		शि	क	स्त	
	न			शि		रा	त
शा			पा	र	द		री
प	रा	जि	त		श	ला	का

ज्योतिषाचार्य पं. नारायणशंकर नाथूराम व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा केक्षेत्र में सफ्लता मिलेगी. पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. राजनैतिक गतिविधियों में वृद्धि होगी. वर्ष के मध्य मेंदाम्पत्य जीवन में कलह की स्थिति न आने दें.वर्ष के अन्त में यात्रा होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. दिनचर्या में व्यवधान हो सकता है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के लिये भौतिक सुख साधनों की उपलब्धता रहेगी. उत्तरदायित्वों को सम्हालना पड़ेगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियोंको मित्रों से मतभेद होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को आय में वृद्धि होगी. प्रसन्नता रहेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को निजी दायित्वों की पूर्ति होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को दिनचर्या में अव्यवस्था रहेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक गतिविधियों मेंवृद्धि होगी. पद एवं प्रभाव बना रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चतुर, व्यवहार कुशल, परिश्रमी, स्पष्टवादी तथा निड़र होगा. निर्णय लेने की अच्छी शक्ति रहेगी, अपने उद्देश्यों की पूर्ति के प्रति सचेत रहेगा. सभी के साथ अच्छा व्यवहार करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

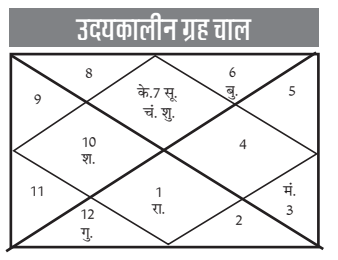

पंचांग

रा.मि. 28 संवत् 2082 वैशाख कृष्ण पंचमीं भृगुवासरे दिन 1/10, मूल नक्षत्रे दिन-रात, परिघ योगे रात 9/52, तैतिल करणे सू.उ. 5/40 सू.अ. 6/20, चन्द्रचार धनु, शु.रा. 9,11,12, 3,5,7 अ.रा. 10,1,2,4,6,8 शुभांक- 2,4,8.

व्यापार भविष्य

वैशाख कृष्ण पंचमीं को मूल नक्षत्र के प्रभाव से गुड, खांड, चीनी के भाव में मंदी होगी, जीरा, धनिया, सौंप, अजवाईन के भाव में मामूली नरमीं का रूख रहेगा, वायदा विचार आज 2 बजकर 9 मिनिट से 15 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभकारी रहेगा. भाग्यांक 4220 है

मेष- मन धनागम की नयी युक्तियों की ओर केंद्रित होगा, कार्य क्षेत्र में किसी सहकर्मी से मतभेद संभव है, जीवनसाथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा.

वृषभ- मन पर नियंत्रण रख अपने कर्तव्यों के प्रति केंद्रित हों, किसी नये सम्बन्ध के प्रति ध्यान देना होगा, थोड़ा संयमी और धैर्यवान बनें.

मिथुन- कुछ नयी सामाजिक व्यस्तताएं सामने आयेंगी, महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति होगी, किसी अचल संपत्ति के क्रय हेतु प्रयास प्रारंभ होंगे.

कर्क- सम्बन्धों में आपका मन भावनात्मक आपूर्ति पर केंद्रित होगा, धार्मिक व पारंपरिक कार्यों में मन लगेगा, रोजगार के क्षेत्र में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठायें.

सिंह- मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा, प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा, प्रणय सम्बन्ध मधुर रहेंगे, शासन व राजकीय कार्यों में सफ्लता मिलेगी.

कन्या- निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें, आकस्मिक तनाव हो सकता है, निराशावादी विचारों को छोड़कर आशावादी बनें, कष्टों को भूलकर वर्तमान को बेहतर बनायें.

तुला- नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी, पुराने सम्बन्धों में प्रगाढता बढेगी, बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. पुमिथुन बातों को भुलाने की चेष्टा करें.

वृश्चिक- किसी नयी योजना की ओर बढेंगे, महत्वाकांक्षा ऊँची प्रगति की ओर ले जायेगी, जरूरी कार्य सार्थक होने का योग है, कार्य में सहयोग मिलेगा.

धनु- स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें, अनुकूल नैतिक कर्तव्यों का पालन करें, निकट सम्बन्धों में पारदर्शिता रखें, छोटी छोटी बातों को भूलना हितकर रहेगा.

मकर- अपने भविष्य को सुनियोजित करें, भविष्य सम्बन्धी कुछ चिंताएं रह सकती हैं, परिवार को एक सूत्र में बनाये रखने हेतु प्रयास करेंगें.

कुम्भ- कार्यों में अवरोध से मन अवसादग्रस्त होगा. मधुरवाणी से सम्बन्धमें प्रगाढता बढेगी, जीविका के क्षेत्र में लाभ होगा, दायित्वों का निर्वहन होगा.

मीन- किसी नये कार्य की पूर्ति होगी, भवुकता व्यवहारिक जगत के अनुकूल चलने की चेष्टा करें. परिवार के विरोध का सामना करना पड़ सकता है.

SUDOKU 7008

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7007

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9